कैप्टन अमरिंदर सिंह थाम सकते भाजपा... 7 | 13 जिलों में गोंड को एसटी का दर्जा... 3 | फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा केस और... 2

सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 217 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 16 सितम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

सबसे मुश्किल काम है सोचना, शायद यही कारण है कि इसमें इतने कम लोग लगे होते हैं।

-हेनरी फोर्ड

बारिश बनी काल

लखनऊ में दीवार गिरने से तीन मासूमों समेत नौ की मौत

स्कूल कॉलेज बंद

उन्नाव में दो भाई व एक बहन तो कानपुर में दो लोगों की गई जान, कई घायल

- सीएम योगी ने हादसे पर जताया दुख, मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद का ऐलान
- कई स्थानों में गिरे कच्चे मकान, जल भराव, जनजीवन अस्त-व्यस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश ने कहर बरपाया। लखनऊ में दीवार गिरने से तीन मासूमों समेत नौ लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख के आर्थिक मदद का ऐलान किया है। जलभराव को देखते हुए लखनऊ के 12वीं तक के सभी स्कूल-कॉलेजों को आज बंद रखने का आदेश दिया गया। वहीं उन्नाव में कच्चे मकान के गिरने से दो भाइयों और एक बहन व कानपुर में दो लोगों की जान चली गयी है। अन्य जिलों से भी बारिश के कारण हुए हादसों से मौत की सूचना मिली है।

लखनऊ में भारी बारिश कैंट के दिलकुशा में काल बनकर पहुंची। यहां निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से तीन पुरुष, तीन महिला और तीन बच्चों की मौत हो गयी। मृतकों में प्रदीप, रेशमा, चंदा, धमेंद्र, मानकुंवर देवी, पप्पू और एक से दो साल के तीन बच्चे शामिल हैं। सभी झांसी के निवासी थे। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार मौके पर पहुंचे। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की। जलभराव को देखते हुए लखनऊ के जिलाधिकारी ने आज कक्षा 12 तक के सभी स्कूल-कॉलेज में अवकाश घोषित कर दिया। वहीं उन्नाव के कांथा में कच्चा मकान गिरने से सगे भाई-बहन अंकित, उन्नति और अंकुश की मौत हो गई। रायबरेली में कमरा ढहने से नवजात ने दम तोड़ दिया जबकि चार घायल हो गए। कानपुर से बारिश के कारण हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी।

20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने राजधानी लखनऊ समेत यूपी के 20 जिलों में 19 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी की सैटेलाइट इमेज में लखनऊ पर घने बादलों का जमावड़ा देखा गया है। राजधानी में रिकॉर्ड बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

सड़क पर उतरीं मंडलायुक्त रोशन जैकब, जलभराव का लिया जायजा

लखनऊ में देर रात हुई भारी बारिश के कारण कई इलाकों का जायजा लेने आज तड़के करीब चार बजे मंडलायुक्त रोशन जैकब का घुटने भर पानी में उतरना कई बड़े अधिकारियों के लिए नजीर बन गया है। भारी वर्षा के बीच जब मंडलायुक्त रोशन जैकब हालात का जायजा लेने निकलीं तो उन्हें भारी जलभराव का सामना करना पड़ा। उनके साथ नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह भी मौजूद रहे जो नगर निगम की टीम से जलभराव वाले इलाकों में लोगों को राहत पहुंचाने में लगे हैं। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण राजधानी के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया है। इसके कारण लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जताया दुख

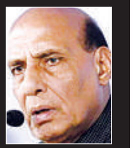

लखनऊ के सांसद व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट किया कि लखनऊ में दीवार गिरने से कई लोगों की मृत्यु होने के समाचार से मुझे बहुत दुख हुआ है। जिन लोगों को इस हादसे में अपनी जान गंवानी पड़ी है उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इसके साथ ही मैं इस दुर्घटना में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

तत्परता से राहत कार्य करें अधिकारी : सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारी बारिश को देखते हुए अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्यों पर नजर रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें। उन्होने आपदा से हुई जनहानि से प्रभावित परिवारों को राहत राशि अविलंब प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। कई जिलों में बारिश से फसलों को भी नुकसान पहुंच सकता है, इसका तत्काल सर्वेक्षण कराया जाए।

आबकारी नीति में कथित घोटाले पर ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

- देशभर के 40 ठिकानों पर मारा छापा, शराब कारोबारी निशाने पर
- दिल्ली-एनसीआर, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक में तलाशी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार की आबकारी नीति में कथित घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने देशभर के 40 ठिकानों पर छापा मारा है। टीम के निशाने पर शराब कारोबारी हैं।

दिल्ली की आप सरकार की नई आबकारी नीति पर कथित घोटाले के आरोप के बाद जांच एजेंसी सक्रिय हो गयी है। वह लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में आज ईडी की टीम ने आंध्र प्रदेश के नेल्लोर, कर्नाटक, तमिलनाडु और दिल्ली-एनसीआर के शराब व्यवसायियों, वितरकों और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क से जुड़े परिसरों पर मारे गए हैं। इससे पहले केंद्रीय जांच एजेंसी ने देशभर के लगभग 45 स्थानों पर छह सितंबर को तलाशी अभियान चलाया था। गौरतलब है कि दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली के सचिव की एक रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। 8 जुलाई को यह रिपोर्ट भेजी गई थी जिसमें पिछले साल लागू की गई आबकारी नीति पर सवाल उठाए गए थे, जिसमें आबकारी नीति (2021-22) बनाने और उसे लागू करने में नियमों की अनदेखी और नीति के कार्यान्वयन में गंभीर कमी पाई गयी थी। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ निविदा को अंतिम रूप देने में अनियमितताएं और चुनिंदा विक्रेताओं को टेंडर के बाद लाभ पहुंचाना भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक शराब बेचने की वालों की लाइसेंस फीस माफ करने से सरकार को 144 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आबकारी मंत्री के तौर पर मनीष सिसोदिया ने प्रावधानों की अनदेखी की है। इस मामले में सीबीआई भी जांच कर रही है।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा केस और पीड़ित परिवार को मिलेगी सुरक्षा : सीएम योगी

» लखीमपुर कांड पर मुख्यमंत्री ने कहा, हर पहलू की होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी जिले के निघासन क्षेत्र में गन्ने के खेत में एक पेड़ पर फांसी से लटकती पाई गई दो दलित बहनों के साथ रेप के बाद हत्या के मामले में कोर्ट ने सभी 6 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और एक पक्का आवास व कृषि भूमि का पट्टा दिए जाने के निर्देश दिया है। इस मामले डीएम ने एससी-एसटी अत्याचार उत्पीड़न योजना के तहत पीड़ित परिवार को 8 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक ट्वीट कर कहा है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखीमपुर में हुई आपराधिक घटना में पीड़िता के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, एक पक्का आवास एवं कृषि भूमि का पट्टा दिए जाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में त्वरित अदालत में प्रभावी पैरवी कर एक माह के भीतर दोषियों को उनके कृत्य की सजा दिलाई जाएगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला है कि 15 और 17 साल की दोनों बहनों के साथ बलात्कार किया गया और फिर गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी गई। बुधवार को शव उनके घर से करीब एक किलोमीटर दूर फांसी पर लटकते पाए गए। पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव सुमन ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार लड़कियां बुधवार दोपहर दो आरोपियों जुनैद और सोहेल के साथ घर से निकली थीं। एसपी ने कहा आरोपियों ने जुर्म कुबूल किया है। वे दोनों दो बहनों के साथ रिश्ते में थे। लड़कियां शादी की जिद कर रही थीं, जिसके बाद उनका गला घोंट दिया गया। गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों की पहचान हफीजुर्रहमान, करीमुद्दीन, आरिफ और छोटू गौतम के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि जुनैद को सुबह करीब साढ़े आठ बजे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोटरसाइकिल, देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किया गया है।

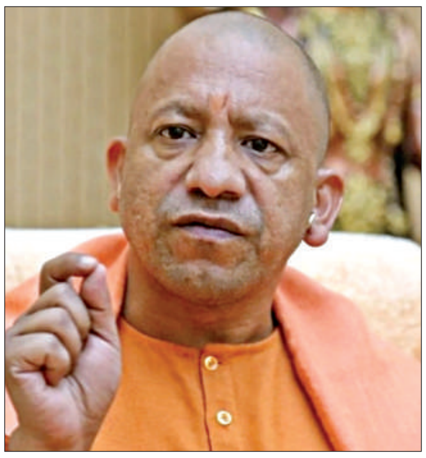

सरकार के ऐलान के बाद जागी मायावती, ट्विटर पर उड़ी बसपा की खिल्ली

यूपी की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी और मायावती क्यों हाशिये जा रहे हैं उसका उदाहरण लखीमपुरखीरी कांड के बाद भी दिखाई दिया है। जघन्य कांड के बाद सीएम योगी ने खुद मॉनिटरिंग की और पीड़ितों के लिए मुआवजा समेत आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट से सजा की घोषणा की। उससे मायावती को राजनीति का मौका नहीं मिला। हद तो तब हो गई जब सीएम योगी के ऐलान के बाद बसपा की तरफ से वही मांग कर दी गई। मायावती के भतीजे आकाश आनंद की तरफ से किए गए ट्वीट बताते हैं कि बसपा न सिर्फ यूपी की राजनीति में पिछड़ गई है बल्कि ऐसे जघन्य मामलों में जिस तरह की तेजी दिखाई देनी चाहिए वह नहीं दिखी है। ट्विटर पर यूजर्स बसपा की खिल्ली उड़ा रहे हैं। आकाश आनंद ने लिखा कि मैं उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को साफ कह देना चाहता हूं कि जल्द से जल्द इस मामले की जांच पूरी कर, गिरफ्तार हुए सभी आरोपियों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चला कर इन्हे कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। सीएम योगी के एलान के बाद बसपा की तरफ से उन्हीं बातों की मांग करना अब चर्चा का विषाय बना हुआ है।

रामपुर वालों ने जो नाक-कान काटे हैं वह कैसे लगवाओगे : अब्दुल्ला

» सपा विधायक ने नवेद मियां के आरोपों पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। नवाब हामिद अली खां की मूर्ति तोड़ने के मामले में सियासत तेज हो गई है। नवाब काजिम अली खां नवेद मियां के आरोपों पर अब विधायक अब्दुल्ला आजम ने पलटवार किया है। अब्दुल्ला सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं शहर विधायक आजम खां के बेटे हैं। सपा विधायक अब्दुल्ला आजम ने नवेद मियां के आरोपों का जवाब ट्विटर पर पोस्ट करके दिया है। पोस्ट में लिखा है कि साहब पत्थर के नाक-कान तो दोबारा लग जाएंगे, लेकिन रामपुर वालों ने 3000 वोट देकर जो नाक-कान काटे हैं वो कैसे लगवाओगे। उनके इस जवाब को विधानसभा चुनाव में नवेद मियां को शहर विधानसभा क्षेत्र में मिले वोटों से जोड़कर देखा जा रहा है।

नवेद मियां ने कांग्रेस के टिकट पर आजम खां के मुकाबले शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, जिसमें आजम खां जेल से चुनाव लड़ने के बावजूद एक लाख 31 हजार वोट लेकर विजयी हुए थे, वहीं नवेद मियां चार हजार वोट पाकर चौथे नंबर पर रहे थे। दरअसल नवेद मियां ने 13 सितंबर को सिविल लाइंस कोतवाली में तहरीर दी थी, जिसमें कहा था कि उनके दादा नवाब रजा अली खां रामपुर रियासत के अंतिम शासक थे, जो नवाब हामिद अली खां के पुत्र थे। नवाब हामिद अली खां की मूर्ति फोटो चुंगी पार्क में लगी थी, जिसे असामाजिक तत्वों ने तोड़ दिया। मूर्ति के कई हिस्सों को क्षतिग्रस्त किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा सपा से जुड़े असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया है, क्योंकि आजम खां और उनके विधायक बेटे अब्दुल्ला लगातार नवाबों के खिलाफ टिप्पणी करते हैं।

अखिलेश के परिवार में हिस्से-बंटवारे पर होती है चर्चा : नंदकिशोर

» भाजपा विधायक ने सपा प्रमुख पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। यूपी के पूर्व सीएम और समाजवाद पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और लोनी से भारतीय जनता पार्टी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर के बीच ट्वीटर वार जारी है। अपने बयान पर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया के बाद लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भी उनपर पलटवार किया है। गौरतलब है कि बुधवार को विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने एसडीएम संतोष कुमार राय पर भूमाफियाओं से मिले होने, उनके खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया था।

उनके बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर लिखा था कि 'जब भाजपा के अपने विधायक अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार को लूट-डकैती बता रहे हैं तो कोई और सबूत क्या चाहिए। अब बुलडोजर कहां है। विधायक के लिए ये क्रोध हिस्सा न मिलने का है या अपने अधिकार क्षेत्र में किसी और के हस्तक्षेप का है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अखिलेश पर पलटवार करते हुए कहा कि हिस्सा सपा की मूल सोच रही है। पूर्व मुख्यमंत्री इससे आगे सोच नहीं पा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार में हिस्से-बंटवारे को लेकर काफी कशमकश रही है। वह अभी इससे उबर नहीं पाए हैं। वहीं एसडीएम ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो अपलोड कर कहा था कि बंजर भूमि, रूप नगर व जीडीए के पार्क पर उनके कार्यकाल में कब्जा नहीं हुआ है।

गरीबों के लिए केंद्र सरकार हर वक्त मदद को तैयार : बृजेश पाठक

» आयुष्मान भारत योजना में अब किडनी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट की भी सुविधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत अब किडनी, बोन मैरो व कार्निया ट्रांसप्लांट आदि की भी सुविधा दी जाएगी। लाभार्थियों को विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए 365 नए पैकेज जोड़े गए हैं। वहीं 832 पैकेज की दरों में बढ़ोतरी की गई है। अभी तक इलाज के लिए 1,592 पैकेज थे और अब इसकी संख्या बढ़कर कुल 1,957 हो गई है। केंद्र सरकार ने यूपी में बढ़ी दरें व नए पैकेज को लागू करने को हरी झंडी दे दी है और गुरुवार से इसे लागू कर दिया गया है।

इस योजना में एक परिवार को एक वर्ष में पांच लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा दी जाती है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कहा कि यूपी में गरीबों के लिए यह योजना संजीवनी का काम करेगी। किडनी व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी सुविधा मिलने से गरीबों को महंगा इलाज कराने में दिक्कत नहीं होगी। स्टेट एजेंसी फार कांप्रिहैंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) की सीईओ संगीता सिंह कहती हैं कि केंद्र सरकार की हरी झंडी मिलने के बाद यूपी में गुरुवार से उपचार के लिए 365 पैकेज जोड़ने और 832 पैकेज की दरों में बढ़ोतरी को लागू कर दिया गया है। आगे बाकी राज्यों में इसे चरणबद्ध ढंग से लागू किया जाएगा।

जो नए 365 पैकेज जोड़े गए हैं उनमें किडनी, बोन मैरो, कार्निया व काकलियर ट्रांसप्लांट, प्लाज्मा फेरिसिस व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े डे केयर जिसमें साइकोमेट्रिक मूल्यांकन और काउंसिलिंग आदि की सुविधा जोड़ी गई है। वहीं 832 पैकेज की वर्तमान प्रचलित दरों में बढ़ोतरी की गई है उसमें जनरल वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (आइसीयू) वेंटिलेटर के साथ और बिना वेंटिलेटर के आइसीयू, इंटरावेनेस इम्युनोग्लोबुलिन थैरेपी और पेट स्कैन जैसी महंगी जांचों की दरें भी बढ़ाई गई हैं। पैकेज की दरों को सभी चिकित्सालयों के लिए एक समान न रखते हुए इसे इंसेंटिव आधारित किया गया है। सातवें वेतन आयोग के अनुसार टियर श्रेणी के अनुसार दरें बढ़ाई गई हैं। टियर टू के 14 शहरों में पैकेज दरों के अलावा इंसेंटिव भी दिया जाएगा। प्रदेश में 1.73 करोड़ परिवारों के 7.65 करोड़ लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन जैदी

अब्बास अंसारी के भड़काऊ भाषण मामले में सरकार से दो हफ्ते में मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के आरोपी मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी की याचिका पर राज्य सरकार से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 अक्तूबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति समिति गोपाल ने अब्बास अंसारी की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता उपेन्द्र उपाध्याय ने बहस की।

तर्क दिया कि दाखिल आरोप पत्र निराधार है। याची को सोची-समझी सियासी रणनीति के तहत फंसाया जा रहा है। उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। अब्बास अंसारी पर आरोप है कि उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान अपने भाषण में अधिकारियों से हिसाब-किताब करने की बात कही थी। जिस पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। इसके खिलाफ याचिका पर हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए आपराधिक मामले में आरोप पत्र दाखिल होने तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। पुलिस ने 11 मई को आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। इस आरोप पत्र की वैधता को चुनौती देते हुए रद्द करने की मांग की गई है।

13 जिलों में गोंड को एसटी का दर्जा 5 लाख की आबादी को मिलेगा फायदा

» गोंड को एसटी दर्जा भाजपा और आरएसएस की खास रणनीति

» लोक सभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा ने चला सियासी दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोदी कैबिनेट ने बुधवार को यूपी के 13 जिलों में गोंड जाति को एसटी यानी अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी है। अब इन 13 जिलों में गोंड जाति के लोगों को एसटी यानी अनुसूचित जाति से हटाकर अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाएगा। अब इन्हें एसटी का सर्टिफिकेट मिलेगा। साथ ही गोंड की 5 उपजातियों धुरिया, नायक, ओझा, पठारी और राजगोंड को भी एसटी में शामिल किया गया है। दावा किया जा रहा है कि सरकार के इस फैसले से यूपी के लगभग पांच लाख लोगों को फायदा मिलेगा।

यूपी विधान सभा चुनाव के दौरान गोंड जाति से किया हुआ अपना चुनावी वादा पूरा कर भाजपा सरकार ने बड़ा सियासी दांव खेला है। आगामी लोक सभा चुनाव से पहले यूपी की गोंड जाति को एसटी में शामिल करने का यह फैसला जनजातियों को साधने की कवायद मानी जा रही है। साथ ही इसे संघ की खास रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, यूपी में गोंड और उनसे जुड़ी पांच उपजातियों धुरिया, नायक, ओझा, पठारी और राजगोंड की आबादी 5 लाख 69 हजार 35 है। यूपी के 13 जिले महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में गोंड जाति के लोग रहते हैं। इधर समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप कहते है कि समाजवादी पार्टी इन 17 ओबीसी जातियों अनुसूचित जाति में परिभाषित करने के प्रस्ताव को लेकर 17 सितंबर को लखनऊ में महापंचायत करेंगे। इसके बाद लोक सभा में क्षेत्रवार पंचायतें होंगी।

संघ परिवार के एजेंडे में भी आदिवासी

देश की राष्ट्रपति जनजाति समाज से है। एक अनुमान के मुताबिक आदिवासी देश की कुल आबादी का 8.14 फीसदी हैं और देश के क्षेत्रफल के करीब 15 फीसदी भाग पर निवास करते हैं। ऐसे में लोक सभा चुनाव से पहले कम आबादी वाली जातियों की अहम मांगों को भाजपा पूरा कर बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रही है। साथ ही संघ परिवार के एजेंडे में भी आदिवासी समाज है। अकसर जनजाति समाज में धर्म परिवर्तन भी देखा जाता है। इससे इस समाज को बचाने और इस समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संघ लगातार काम करता है। आदिवासियों के बीच संघ लंबे समय से सेवाकार्य कर रहा है।

चुनावी वादा पूरा करके पब्लिक को संदेश

यूपी के विधान सभा चुनाव के दौरान भाजपा ने गोंड जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का वादा किया था। आने वाले समय में लोक सभा चुनाव है। ऐसे में सरकार ने वादा पूरा कर पब्लिक को बड़ा संदेश दिया है। इसके दो पहलू है। पहला भाजपा अपने हर चुनावी वादे को पूरा करती है। दूसरा भाजपा और संघ परिवार के एजेंडे में अनुसूचित जनजाति समाज भी है। मोदी कैबिनेट के इस फैसले का स्वगत करते हुए सीएम योगी ने ट्वीट कर लिखा कि सामाजिक न्याय हेतु कटिबद्ध प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिया गया यह कल्याणकारी निर्णय गोंड समुदाय के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

बिहार व यूपी पर भाजपा का फोकस

लोक सभा चुनाव से पहले यूपी के 13 जिलों में गोंड जाति को एसटी में शामिल करने के साथ ही कुल 5 राज्यों की 12 जातियों और इनसे जुड़ी उप-जातियों को एसटी का दर्जा दिया है। इसमें हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और तमिलनाडु भी है। इसमें से हिमाचल प्रदेश में इसी साल जबकि छत्तीसगढ़ में 2023 में विधान सभा के चुनाव भी होने वाले है। इसके साथ ही साल 2024 में देश में आम चुनाव भी होंगे। ऐसे में इसे भाजपा का चुनावी दांव भी माना जा रहा है। पार्टी राज्यों और आम चुनाव से पहले 12 जातियों को एसटी का दर्जा देकर इस बड़े वोट बैंक को अपने खाते में जमा करा लेना चाहती है। वरिष्ठ पत्रकार रतिभान त्रिपाठी कहते है कि भारतीय जनता पार्टी ऐसा कोई लूप-होल नही छोड़ना चाहती है जिसे विपक्ष मुद्दा बना सके। बिहार के सीएम नीतीश कुमार अपने विपक्षी गठजोड़ को आगे बढ़ाने के लिए जातिगत जनगणना की बात करते है। यूपी में अखिलेश यादव भी जातिगत जनगणना की मांग करते रहते हैं। भाजपा सरकार ने अपने इस फैसले से बड़ा संदेश दिया है कि हम उन सभी मुद्दों को एड्रेस करना चाहते है जो विपक्षी तलाशते है।

नगरीय निकाय चुनाव में भी भाजपा को मिल सकता है लाभ

2015 में ग्राम पंचायत चुनावों में गोंड समुदाय ने अप्रत्याशित रूप से सीटें जीती थीं। राज्य के बलिया जिले में गोंड समुदाय की उपस्थिति दूसरे नंबर पर है। 17 खंडों में 954 सीटों में 48 गोंड उम्मीदवारों का निर्वाचन, प्रधान के पद में हुआ। वहीं एक का निर्वाचन खंड प्रमुख के पद पर और एक का पंचायत सदस्य के पद पर चयन हुआ। यह जीत बताती है कि इस बार यूपी में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले नगरीय निकाय के चुनाव में भाजपा को इस 5 लाख से ज्यादा की आबादी का बड़ा लाभ मिल सकता है। यूपी के 17 जिलों में फैली गोंड जाति के लिए ये फैसला जितना अहम है, भाजपा के लिए भी उतना ही लाभदायक हो सकता है।

निकाय चुनाव को सपा ने बिछायी बिसात, मोर्चे पर उतारे विधायक

विधान सभा प्रत्याशियों को भी किया सक्रिय, बूथों को मजबूत करने पर फोकस

» जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को साधने के लिए बनायी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद सपा अब निकाय चुनाव में जोर आजमाइश करने की तैयारी में जुट गयी है। निकाय चुनाव के जरिए सपा एक तीर से दो निशाना साधना चाहती है। पहला वह निकाय चुनाव में अधिक सीट जीत कर अपने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ना चाहती है तो दूसरा 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव से पहले यूपी में सियासी जमीन मजबूत करना चाहती है। इसके लिए उसने अपनी बिछात बिछा दी है।

निकाय चुनाव में भाजपा से दो-दो हाथ करने के लिए सपा ने कमर कस ली है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आम जनता के बीच अपनी बिसात बिछा दी है। सदस्यता अभियान में पार्टी खासतौर पर जनता से सीधे जुड़ाव का प्रयास कर रही है। मोहल्लों में मजबूती के लिए हर बूथ पर एक सक्रिय कार्यकर्ता को जोड़ने की योजना पर विधायकों और विधान सभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्व पदाधिकारी भी सदस्यता अभियान में जुटे हैं। इस पूरे अभियान का मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों से पार्टी का निजी तौर पर जुड़ाव कायम कराना है। जहां पर विधान सभा और लोक सभा चुनाव में सपा दूसरे नंबर पर रही है वहां पर विशेष फोकस किया जा रहा है ताकि भाजपा को पछाड़कर नंबर एक पर पहुंचा जा सके। इसके लिए पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती देने के लिए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सक्रिय कर दिया गया है। सक्रिय सदस्य बनाने पर विशेष जोर है और इसकी लगातार समीक्षा भी की जा रही है। ज्यादा से ज्यादा सक्रिय सदस्य बनाने का मकसद पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूती देना है। निवर्तमान पदाधिकारियों को सक्रिय सदस्य बनाने में लगाया गया है।

प्रदेश सरकार को घेरने की रणनीति

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की रणनीति भी तैयार की है। यही वजह है कि पिछले दिनों महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और किसानों के मुद्दों को लेकर सपा विधायक और पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया था। इसके अलावा कानून व्यवस्था को लेकर भी सपा सरकार को लगातार घेर रही है।

मानसून सत्र पर भी नजर

प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र 19 सितंबर से शुरू होना है। इस दौरान भी सपा ने विधान सभा और विधान परिषद में सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने का प्लान तैयार किया है ताकि जनता को संदेश दिया जा सके।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रदेश में बढ़ते महिला अपराध और पुलिस

सवाल यह है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का असर जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा है? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद भी हालात बिगड़ क्यों रहे हैं? अपराधियों के मन से खाकी का खौफ समाप्त क्यों हो गया है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को पंगु बना दिया है? क्या प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने का दायित्व सरकार का नहीं है?

लखीमपुर में दो नाबालिग बहनों की रेप के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गयी। इसके ठीक पहले प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक युवती का मर्डर किया गया। एक सप्ताह के भीतर घटी ये दो जघन्य वारदातें यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में कानून व्यवस्था का क्या हाल है और अपराधी कितने बेखौफ हो चुके हैं। यूपी में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की पुष्टि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो भी कर रहा है। सवाल यह है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का असर जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा है? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद भी हालात बिगड़ क्यों रहे हैं? अपराधियों के मन से खाकी का खौफ समाप्त क्यों हो गया है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को पंगु बना दिया है? क्या प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने का दायित्व सरकार का नहीं है? क्या पुलिस तंत्र में आमूल बदलाव की जरूरत है? क्या कानून-व्यवस्था को दुरुस्त किए बिना प्रदेश के विकास को रफ्तार दी जा सकती है?

प्रदेश में आए दिन हत्या, लूट, बलात्कार, अपहरण जैसी घटनाएं हो रही हैं। अपराधी वारदातों को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं और पुलिस को उन्हें पकड़ने में पसीने छूट जाते हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम नहीं लग पा रही है। इसके कारण महिलाओं में असुरक्षा का भाव उत्पन्न हो गया है। यूपी में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की पुष्टि एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट भी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश में 2021 में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक आपराधिक मामले (56,083) दर्ज किए गए हैं। इसमें प्रदेश, देश में पहले पायदान पर है। महिलाओं के अपहरण के मामलों में यह सबसे ऊपर है। यहां पिछले साल अपहरण की 10574 शिकायतें दर्ज की गयीं थीं। वहीं महिलाओं की हत्या और बलात्कार के केस भी बढ़ रहे हैं। यह हाल तब है जब सरकार ने प्रदेश को अपराध मुक्त करने का वादा किया है और पुलिस को अपराधियों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। हकीकत यह है कि बढ़ते अपराधों के पीछे पुलिस की लापरवाही सबसे बड़ा कारण है। अपराध कम दिखाने के लिए थानों पर पीड़िताओं की एफआईआर लिखने में आनाकानी की जाती है। कई बार पुलिस पीड़ितों पर आरोपियों से समझौते का दबाव बनाती है। पेट्रोलिंग की मजबूत व्यवस्था नहीं होने के कारण लूट और चेन स्नेचिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं। जाहिर है यदि सरकार महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करना चाहती है तो उसे पुलिस तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही को खत्म करना होगा। उन्हें हाईटेक प्रशिक्षण देना होगा। साथ ही अपराधियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पड़ोसी देशों के साथ कूटनीतिक संबंध

जयंत घोषाल

15 सितंबर से उजबेकिस्तान में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ एक मंच पर होंगे। इस सम्मेलन में चीन और तालिबान के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक की भी संभावना है। पाकिस्तान में प्राकृतिक आपदा की पीड़ा पर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर सहानुभूति प्रकट की थी। यहां तक कि पाकिस्तान के मंत्री ने भी भारत से सहायता करने की अपील की थी, हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से ऐसी किसी मदद की बात को खारिज कर दिया गया।

ट्रैक टू डिप्लोमेसी करने वालों ने मोदी सरकार को यह तक कह दिया है कि अगर पाकिस्तान की मदद के लिए भारत हाथ बढ़ाता है तो इमरान खान शाहबाज सरकार को नेस्तनाबूद कर देंगे। वहां पंजाब के उपचुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद से इमरान को ऑक्सीजन मिल गई है। शाहबाज शरीफ सेना के समर्थन से प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ पाक सेना के प्रधान संपर्क में रहे थे। यही वजह है कि शाहबाज के प्रधानमंत्री बनते ही मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में ठोस फैसला लेने का एक मौका था, जहां जयशंकर और बिलावल भुट्टो मिले थे। कश्मीर की बात करें तो मोदी वहां के नेताओं के साथ कई बार बैठकें कर चुके हैं। कश्मीर में चुनाव कराने की योजना बना रहे हैं। नूपुर शर्मा प्रकरण की आंच विदेशों तक पहुंची थी. तब प्रधानमंत्री मोदी ने आबू धाबी हवाई अड्डे पर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख बिन जायेद से मिले थे। सवाल उठता है कि मोदी आखिर ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या वे गोधरा कांड की छवि भूलना चाहते हैं? क्या वे अटल जैसा बनना चाहते हैं? लालकृष्ण आडवाणी की छवि कट्टर हिंदुत्ववादी की रही है। उन्होंने पाकिस्तान दौरे में जिन्ना को धर्मनिरपेक्ष कह दिया था, जिसके कारण उन्हें आरएसएस की नाराजगी झेलनी पड़ी थी। वे दिन क्या मोदी भूल गये? वहीं अफगानिस्तान में तालिबान सरकार आने के बाद कूटनीतिक संपर्क बनाना जरूरी हो गया है, जिसे मोदी ने सफलतापूर्वक किया है। यूक्रेन मुद्दे पर अमेरिका के साथ मधुर संपर्क बनाते हुए रूस के साथ पुराने संपर्क को भी खराब नहीं होने दिया मोदी ने। चीन के साथ भी इसी कूटनीति के तहत मोदी आगे बढ़ रहे हैं। चीन के साथ संपर्क रखना होगा पर सावधानी के साथ कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। पाकिस्तान के साथ चीन के संपर्क में भी कई अटकलें हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है। चीन के पास जो हथियार हैं, उनकी गुणवत्ता बहुत अच्छी नहीं है इसलिए अमेरिका से ही पाकिस्तान हथियार लेना चाहता है। तीसरी बात यह है कि चीन अगर किसी को ऋण देता है तो उसका हश्र क्या होता है, श्रीलंका में यह सबने देखा है इसलिए पाकिस्तान चीन के इस झमेले में नहीं पड़ना चाहता। तालिबानी सरकार पर पाक का नियंत्रण कम हो रहा है जबकि भारत का प्रभाव बढ़ता दिख रहा है इसलिए चीन की तुलना में पाकिस्तान के लिए भारत अधिक महत्वपूर्ण है। पांचवीं बात, चीन में कई ऐसे इलाके हैं, जहां तालिबान और पाक के आतंकी सक्रिय हैं। इस स्थिति में जब पाकिस्तान चारों तरफ से समस्याओं से घिरा हुआ है, भारत के लिए पाकिस्तान की तरफ हाथ बढ़ाना एक उचित कदम साबित हो सकता है। पाकिस्तान अभी अनुच्छेद 370 से जुड़ी मांगों से पीछे हट गया है। पाक सेना के प्रधान जनरल बाजवा से भारत के अच्छे संपर्क हैं। ऐसे समय में भारत-पाक वार्ता की प्रक्रिया अगर शुरू होती है तो यह एक अच्छा होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे पहल की सराहना होगी। किंतु इसमें समस्याएं भी हैं। दो घटनाएं उल्लेखनीय हैं। कर्नाटक में गणेश पूजा को लेकर मामला अदालतों में गया। बिलकीस बानो के बलात्कारियों की रिहाई के बाद उन्हें माला पहनाया गया। मोदी ने गुजरात दौरा भी किया मगर इस मामले पर वे चुप रहे। देशभर में हिंदुत्व के नाम पर समाज बंटता दिख रहा है। मोदी सरकार सवालों के घेरे में भी आ रही है, ऐसे में मोदी विश्व नेता बनने में कितने सफल होंगे, यह बड़ा सवाल है। गोधरा कांड के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने अपने भाषण में गुजरात दंगे का उदाहरण देते हुए भारतीय मुसलमानों की सुरक्षा का मामला उठाया था। उस वक्त वाजपेयी सरकार को विश्व स्तर पर सवालों का सामना करना पड़ा था। मोदी के कार्यों का स्वागत भले किया जा रहा है मगर यह प्रश्न है कि देश के भीतर भाजपा राजनीतिक स्तर पर अगर सर्वोच्च है और समाज हिंदुत्व के नाम पर बंट रहा है, तो ऐसे में विश्व स्तर पर मोदी अपनी कूटनीति में कितने सफल होते हैं।

कहीं आपदालय न बन जाए हिमालय

जयसिंह रावत

हिमालय न केवल हिमालयवासियों बल्कि समूचे एशिया के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है। कल्पना कीजिये अगर हिमालय न होता तो दुनिया और खासकर एशिया का राजनीतिक भूगोल क्या होता? एशिया का ऋतुचक्र और उसमें घूमने वाला मौसम क्या होता? किस तरह की जनसांख्यिकी होती और किस तरह के शासनतंत्रों में बंधे कितने देश होते? न गंगा होती, न सिन्धु होती और न ही ब्रह्मपुत्र जैसी महानदियां होतीं। अगर ये नदियां ही न होतीं तो गंगा-जमुनी जैसी महान संस्कृतियां कहां से पैदा होतीं। फिर तो संसार की महानतम संस्कृतियों में से एक सिन्धु घाटी की सभ्यता भी न होती।

दरअसल, हिमालय हमारे भारत का भाल ही नहीं अपितु हमारी ढाल भी है और यह न केवल एशिया के मौसम का नियंत्रक बल्कि एक जल स्तम्भ भी है। यह रत्नों की खान भी है तो गंगा के मैदान की आर्थिकी को जीवन देने वाली उपजाऊ मिट्टी का स्रोत भी। सिन्धु से लेकर ब्रह्मपुत्र या कराकोरम से लेकर अरुणाचल की पटकाइ पहाड़ियों तक की लगभग 2400 कि.मी. लम्बी यह पर्वतमाला विलक्षण विविधताओं से भरपूर है लेकिन आज हिमालय के अस्तित्व पर ही खतरे के बादल मंडराने लगे हैं यद्यपि मानसून में आसमानी आफत देश में कभी कहीं तो कभी कहीं कहर बरपा देती है। इस बार की बरसात ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू पर आफत बरसा दी। मुंबई भी अक्सर आसमानी आपदा का शिकार हो जाती है। उत्तराखंड तो प्राकृतिक आपदाओं का पर्याय ही बन गया। हिमालय पर बादल फटना, हिमखण्ड स्खलन या एवलांच आना, भूस्खलन और त्वरित बाढ़ जैसी घटनाएं नई नहीं हैं लेकिन आपदाओं के शिकार हिमालयवासियों के साथ ही विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि इन घटनाओं की फ्रीक्वेंसी काफी बढ़ गयी है। पिछले साल के एक अनुमान के अनुसार पूरे हिमालय क्षेत्र में जनवरी से जुलाई तक बादल फटने की 29 घटनाएं हुई थीं। वर्ष 2021 में ही 7 फरवरी को गढ़वाल हिमालय की धौली और ऋषिगंगा में आई बाढ़ के कारण लगभग 205 लोगों के मारे जाने का अनुमान है। हैरानी की बात यह कि बाढ़ शीत ऋतु में नहीं बल्कि बरसात में आती है और वह भी हिमालय पर उस समय बाढ़ आ गयी जबकि ठंड से उच्च हिमालय की नदियां ही जमने लगती हैं। केदारनाथ की 2013 की अकल्पनीय बाढ़ में तो 5 हजार से कहीं अधिक तीर्थयात्रियों के मारे जाने का अनुमान था। उस समय भी केदारनाथ से कहीं ऊपर बादल फट गया था। हिमाचल प्रदेश की सतलुज नदी में भी एक के बाद एक विनाशकारी बाढ़ आती रही हैं। अगस्त, 2000 में जब सतलुज में बाढ़ आयी तो नदी का जलस्तर सामान्य से 60 फुट तक उठ गया था। इसी तरह 26 जून, 2005 की बाढ़ में सतलुज का जलस्तर सामान्य से 15 मीटर तक उठ गया था। इसके एक महीने के अन्दर फिर सतलुज में त्वरित बाढ़ आ गयी।

ज्यादा चिन्ता का विषय यह है कि मानसून हिमालय पर चढ़ने को बेताब लग रहा है। यह हिमालय पर जितना ऊपर चढ़ेगा, उतनी ही अधिक तबाही करेगा। क्योंकि हिमालय पर एक महासागर के बराबर पानी बर्फ के रूप में जमा है इसीलिये हिमालय को एशिया का जलस्तंभ भी कहा जाता है। अगर बर्फ का यह महासागर विचलित हो गया तो उस प्रलय की कल्पना भी भयावह है। खतरा केवल बादल फटने या अतिवृष्टि का नहीं है। हिमालय पर बनी उन अनगिनत बर्फीली झीलों पर भी जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का खतरा मंडरा रहा है। केदारनाथ के ऊपर बनी चोराबाड़ी झील के ऊपर बादल फटने से यह ग्लेशियर झील फट गयी थी, जिससे सम्पूर्ण केदारघाटी तबाह हो गयी। दुनिया की इस सबसे युवा और सबसे ऊंची परतदार कच्ची पर्वत शृंखला के ऊपर जिस तरह निरंतर विप्लव हो रहे हैं उसी तरह इसका भूगर्भ भी अशांत है। भूकंप विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि पिछली एक सदी में इस क्षेत्र में कोई बड़ा भूचाल न आने से भूगर्भीय ऊर्जा जमीन के नीचे जमा होती जा रही है। जिस दिन वह ऊर्जा बाहर निकली तो विनाशकारी साबित होगी। ऋतुओं में बदलाव अनुभव किये जा सकते हैं और इस बदलाव के लिये हम केवल ग्लोबल वार्मिंग को ही जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। इसके लिये लोकल वार्मिंग का फैक्टर ज्यादा असरकारक है और इस लोकल वार्मिंग के लिये अमेरिका या अन्य विकसित देशों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। चिपको आन्दोलन के प्रणेता पद्मभूषण चंडी प्रसाद भट्ट कहते हैं कि बढ़ते मानव दबाव के कारण हिमालय पर लोकल वार्मिंग का असर काफी है। बात भी सही है, इस साल अब तक के यात्रा सीजन में बदरीनाथ समेत उत्तराखंड के चारों हिमालयी धामों में मई से लेकर अगस्त तक के 3 महीनों में ही 33.44 लाख यात्री पहुंच गये। यही नहीं, इन यात्रियों के 3,53,766 वाहन सीधे गंगोत्री और सतोपन्थ जैसे ग्लेशियरों के निकट पहुंच गये। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच की रिपोर्ट के अनुसार भारत में सन् 2002 से लेकर 2021 तक कुल 19 प्रतिशत वृक्षावरण घटा। रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2010 में भारत का वृक्षावरण 31.3 मिलियन हेक्टेयर था जो कि कुल भौगोलिक क्षेत्र का 11 प्रतिशत था। सन 2021 में हमने 127 हजार हेक्टेयर प्राकृतिक वन खो दिये जो कि 54.6 मी. टन कार्बन स्टॉक की क्षति के बराबर है। पूर्वी हिमालय जैव विविधता की दृष्टि से विश्व के सम्पन्नतम हॉट स्पॉट्स में शामिल है, वहां हर साल वनावरण घट रहा है।

सम्पूर्ण विश्व के वास्तुकार हैं भगवान विश्वकर्मा

हिंदू धर्म के अनुसार सृष्टि के वास्तुकार भगवान विश्वकर्मा का जन्मोत्सव हर वर्ष सूर्य कैलेंडर के आधार पर 17 सितंबर को मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है इस पृथ्वी पर जो भी चीजें मौजूद हैं उसका निर्माण भगवान विश्वकर्मा के द्वारा ही हुआ है। शास्त्रों के अनुसार भगवान ब्रह्माजी ने इस समूची सृष्टि की रचना की और भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि को सुंदर तरीके से सजाया और संवारा है। भगवान विश्वकर्मा को इस सृष्टि का सबसे बड़ा इंजीनियर माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा वास्तु की संतान थे और वास्तु के पिता भगवान ब्रह्मा जी ही थे। इस कारण से भगवान विश्वकर्मा को वास्तुशास्त्र की जनक माना गया है। भगवान विश्वकर्मा ने रावण की लंका, देवलोक,भगवान कृष्ण की द्वारिका और महाभारत काल में इंद्रप्रस्थ का निर्माण किया था। विश्वकर्मा जयंती पर विशेष रूप से निर्माण कार्यों में काम आने वाले सामानों और औजारों की पूजा का विधान होता है। इस दिन सभी निर्माण संस्थानों पर पूजा करने का बाद बंद रखा जाता है।

जयंती पूजा शुभ मुहूर्त

17 सितंबर 2022 को विश्वकर्मा जयंती है और इस दिन सम्पूर्ण विश्व के वास्तुकार, मंदिरों, देवताओं के महल और अस्त्र-शस्त्रों आदि का निर्माण करने वाले भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के लिए तीन शुभ मुहूर्त होंगे।

मुहूर्त

पहला शुभ मुहूर्त- सुबह 07:39 बजे से सुबह 09:11 बजे तक

दूसरा शुभ मुहूर्त- दोपहर 01:48 बजे से दोपहर 03:20 बजे तक

तीसरा शुभ मुहूर्त- दोपहर 03:20 बजे से शाम 04:52 बजे तक

कौन हैं भगवान विश्वकर्मा

हिंदू धर्म में विश्वकर्मा जी को निर्माण का देवता माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार उन्होंने ही सोने की लंका का निर्माण किया था। इनकी ऋद्धि सिद्धि और संज्ञा नाम की तीन पुत्रियां थी जिनमें से ऋद्धि सिद्धि का विवाह भगवान गणेश से हुआ था। प्राचीन काल में देवताओं के सभी भवन विश्वकर्मा जी के द्वारा ही निर्मित थे।

पूजा विधि

- सबसे पहले विश्वकर्मा जयंती के दिन सुबह जल्दी उठें।
- फिर सुबह स्नानादि करने के बाद साफ कपड़े पहनकर पूजा स्थल की साफ-सफाई करें।
- इसके बाद पूजा का संकल्प लेते हुए भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति को स्थापित करते हुए पूजा आरंभ करें।
- भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति के साथ संबंधित औजारों की पूजा करने का भी संकल्प लें।
- इसके बाद विधि-विधान और शास्त्रों में बताई गई पूजा विधि से अनुष्ठान प्रारंभ करें।
- भगवान विश्वकर्मा को पान,सुपारी, हल्दी,अक्षत,फूल,लौंग,फल और मिठाई अर्पित करें।
- फिर धूप और दीप जलाकर भगवान विश्वकर्मा की आरती करें और रक्षासूत्र अर्पित करें।
- भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा के साथ कार्यालय की मशीनों और औजारों की पूजा करें।
- अंत में भगवान विश्वकर्मा से पूजा में भूलवश हुई किसी गलती के लिए माफी मांगते हुए कारोबार में उन्नति की प्रार्थना करें और प्रसाद का वितरण करें।

कहानी | तेनालीराम मटके में

एक बार महाराज कृष्णदेव राय तेनालीराम से इतने नाराज हो गए कि उन्होंने उसे अपनी शक्ल न दिखाने का आदेश दे दिया और कहा ,अगर उसने उनके हुक्म की अवहेलना की तो उसे कोड़े लगायें जाएंगे। महाराज उस समय बहुत क्रोधित थे इसलिए तेनालीराम ने वहां से जाना ही उचित समझा। अगले दिन जब महाराज राजदरबार की ओर आ रहे थे तो तेनालीराम से चिढ़ने वाला एक दरबारी महाराज को तेनालीराम के खिलाफ भड़काता जा रहा था। वह महाराज से बोला कि आज तो तेनालीराम ने आपके आदेश की अवहेलना की है। आपके मना करने के बावजूद भी वह दरबार में आया है और वहाँ ऊल -जुलूल हरकते करके सबको हंसा रहा है। दरबारी की बात सुनकर महाराज के कदम तेजी से राजदरबार की ओर बढ़ने लगे। राजदरबार पहुँचते ही महाराज ने देखा की तेनालीराम ने अपने मुख पर मटका पहन रखा है, जिसमें आँख की जगह दो छेद बने हुए हैं। यह देखते ही महाराज आग- बबूला हो गए और तेनालीराम पर गरजे,एक तो तुमने हमारा हुक्म नही माना और ऊपर से ये अजीबों गरीब हरकतें कर रहे हो । अब तो तुम कोड़े खाने के लिए तैयार हो जाओ। जैसे ही महाराज ने ये कहा, तेनालीराम के विरोधी बहुत खुश हुए लेकिन तभी तेनालीराम बोला,कि महाराज मैंने तो आपकी किसी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया है। आपका आदेश था की मैं आपको अपना चेहरा न दिखाऊ। क्या आपको कहीं से मेरा चेहरा दिख रहा है? यदि ऐसा है तो जरुर उस कुम्हार ने मुझे फूटा हुआ मटका दे दिया है। तेनालीराम की बात सुनते ही महाराज का गुस्सा छूमंतर हो गया और उनकी हंसी छूट पड़ी। वे बोले, किसी ने सच ही कहा है कि बेवकूफों और विदूषकों पर नाराज होना व्यर्थ है। अब इस मटके से मुंह को बाहर निकालो और अपने आसन पर बैठ जाओ। तेनालीराम के विरोधी फिर से मन मारकर रह गए।

हंसना मना है

लड़का- यार तुम लड़कियां इतनी सुंदर कैसे होती हो? लड़की- दरअसल, भगवान ने हमें अपने हाथों से बनाया था।लड़का- अरे, जैसे हमें तो नेट से डाउनलोड किया है।

पप्पू की हुई मास्टर से ल?ाई मास्टर ने की पप्पू की पिटाई पप्पू का गरम हुआ खून... गया कब्रिस्तान और मास्टर की, फोटो टांग के लिख दिया COMING SOON!!

मंदिर में पप्पू- हे भगवान मेरी सरकारी नौकरी लगवा दो...? भगवान- क्यों खाली हाथ आये, नारियल केला और सेब नहीं लाए...? पप्पू- भगवान जी आप कर्म करो, फल की चिंता मत करो..!

पति ने अपनी पत्नी को दिल की बात बताई... कहा - तुमसे शादी करके मुझे एक फायदा हुआ है पत्नी - कौन सा फायदा? पति - मुझे मेरे गुनाहों की सजा इसी जन्म में मिल गई।

8 अंतर खोजें

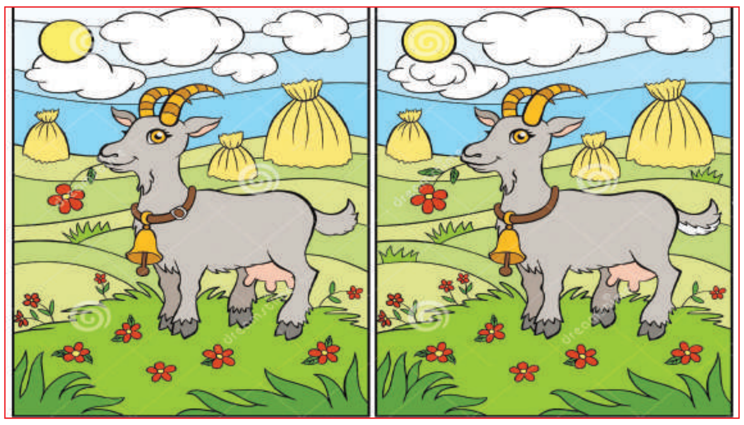

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – आप बच्चों की उपचार करने की शक्ति महसूस करेंगे। वे आध्यात्मिक तौर पर धरती पर सबसे ज्यादा ताकतवर और भावनात्मक लोग हैं। उनके साथ आप खुद को ऊर्जा से लबरेज पाएंगे।

वृषभ – आज आपके सोचे हुए सभी काम पूरे हो जायेंगे। आपके लिये बहुत-सी चीज़ें आज फायदेमंद हो सकती हैं।विवाहितों के लिये आज का दिन बढ़िया है।

मिथुन – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। लेकिन क्रोध की अधिकता भी रहेगी। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क – दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। मनोरंजन और सौन्दर्य में इजाफे पर जरूरत से ज्यादा वक्त न खर्च करें। जितना कर सकते हैं, उससे कई फायदा करने का वादा कर देते हैं।

सिंह – वित्तीय मामलों में समझदारी से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद हो सकती है। बिजनेस में नई परियोजना से आपको फायदा हो सकता है।

कन्या – आज परेशानी में डालने वाले निजी मामलों से दूर रहें। आज किसी नए कार्य की शुरूआत न करें, अच्छे समय का इंतजार करें।कारोबार से जुड़ी यात्रा होगी।ऐसी यात्रा में आपका ज्यादा पैसा खर्च हो सकता है।

तुला – दुविधा के चलते आज आप खुद को असमंजस की स्थिति में पाएंगे। बैंक से जुड़े लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे।

वृश्चिक – आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। खुद की मेहनत से आप परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने में कामयाब होंगे। किसी जरुरी काम में आज आपको सफलता मिल सकती है।

धनु – आज आपकी नौकरी तथा व्यवसाय में स्थिति अच्छी रहेगी। प्रतियोगिता में सफलता तथा रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी।

मकर – आपका तल्ख बर्ताव जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में तनाव डाल सकता है। कोई भी ऐसा काम करने से पहले इसके परिणामों के बारे में सोच लें। अगर मुमकिन हो तो अपना मूड बदलने के लिए कहीं और जाए।

कुम्भ – आज आपका दिन फेवरेवल रहेगा। आपको किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही कारोबार में आपको धन लाभ होगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

मीन – पद प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। किसी बीमारी से आपको छुटकारा प्राप्त हो सकता है।मित्रों या जीवन साथी से सम्बंध मधुर होंगे। नए व्यापार या नौकरी की संभावना बन रही है।

तब्बू के साथ एक बार फिर नजर आएंगे अजय देवगन

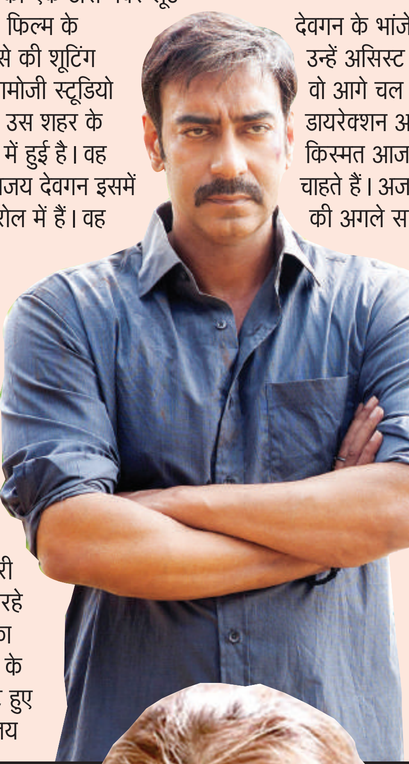

बॉलीवुड मसाला

अजय देवगन इन दिनों साउथ की कैथी की हिंदी रीमेक भोला में बिजी हैं। मुंबई में वह फिल्म का आखिरी शेड्युल पूरा कर रहे हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने कहा कि अजय देवगन इसे अगले सात से आठ दिनों में फिल्म कंप्लीट कर लेंगे। मुंबई में आगे भोला का एक डांस नंबर शूट किया जाएगा। फिल्म के ज्यादातर हिस्से की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी स्टूडियो के भीतर और उस शहर के बाहरी इलाकों में हुई है। वह इसलिए कि अजय देवगन इसमें एक कैदी के रोल में हैं। वह कैदी शहर के खूंखार गुंडों की टोली से जख्मी पुलिस वालों की मदद करता है। वह कैदी लॉरी चलाने में भी माहिर है। ऐसे में लॉरी का पीछा कर रहे सैकड़ों गुंडों का सीक्रेंस जंगल के इलाकों में शूट हुए हैं। बेशक अजय देवगन के भांजे दानिश गांधी उन्हें असिस्ट कर रहें हैं। वो आगे चल बतौर डायरेक्शन अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं। अजय देवगन की अगले साल के मिड तक चार फिल्मों की लाइनअप है। वो थैंकगॉड, दृश्यम2 और मैदान हैं। इनकी रिलीज के मद्देनजर भोला की तारीख तय होगी। बहरहाल, सेट पर मौजूद सूत्रों की मानें तो इस फिल्म के डायरेक्टर अजय देवगन खुद हैं। खुद तकनीकी तौर पर दक्ष होने के चलते और कुछ अलग विजुअल्स देने की खातिर अजय देवगन ने अपने सिनेमैटोग्राफर असीम बजाज से वे सीन 8 सेटअप में कैप्चर किए। वैसे मल्टीपल कैमरा सेटअप से शूट का अपना फायदा है। इसका फायदा यह होता है कि एक्शन सीक्रेंस में कंटीन्युटी यानी निरंतरता को मैच करने में आसानी होती है। एडिटिंग डिपार्टमेंट को आसानी होती है। मल्टीपल कैमरा सेटअप न होने पर दो बार अलग अलग शॉट्स लेने पड़ते हैं। इसके चलते लिए गए शॉट्स की कंटीन्युटी आपस में मैच नहीं होती। सूत्रों ने दावा किया, 'यह फिल्म भी अजय देवगन के बैनर की है। रनवे34 की तरह हाई बजट रहने वाली है। इसका बजट भी 80 से 100 करोड़ रहने वाला है। वह इसलिए कि अजय देवगन इसे विजुअली बेहतर करने के लिए इसमें खासा वीएफएक्स भी करने वाले हैं। साथ ही यह एक्शन जॉनर की फिल्म है।

बॉलीवुड | मन की बात

रणवीर सिंह का खुलासा, बोले, मेरी न्यूड तस्वीरों के साथ हुई छेड़छाड़

एक अमेरिकी मैगजीन के लिए न्यूड फोटोशूट करने वाले रणवीर सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। पिछले दिनों रणवीर सिंह के खिलाफ मुंबई के चेंबूर में अश्लीलता फैलाने और लोगों की भावनाओं को आहत के आरोप में एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है। इसी केस में रणवीर ने मुंबई पुलिस के सामने अपना बयान दर्ज कराया। अपने बयान में रणवीर ने कहा कि उनकी तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की गई है। एएनआई के मुताबिक रणवीर सिंह ने 29 अगस्त को मुंबई पुलिस को दिए गए बयान में कहा कि जिस तस्वीर में उसके प्राइवेट पार्ट्स कथित रूप से दिखाई दे रहे थे और जिसके आधार पर उसके खिलाफ शिकायत की गई थी, उसके साथ छेड़छाड़ की गई है। अभिनेता ने दावा किया है कि यह तस्वीर उन सात तस्वीरों में से नहीं थी जो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की थी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि जिस तस्वीर के आधार पर केस फाइल किया गया है वो तस्वीर उनमें से नहीं है जो सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई थी क्योंकि उन्होंने अपनी तस्वीरों में अंडरवियर पहना हुआ था। इसलिए प्राइवेट पार्ट्स दिखने की कोई गुंजाइश ही नहीं। जिस तस्वीर को आधार बनाया गया है वो मॉर्फ्ड है। रणवीर सिंह ने पुलिस को फोटोशूट की सारी तस्वीरें सौंप दी है। साथ ही पुलिस ने एक्टर का इंस्टाग्राम भी चेक किया है पर उन्हें वो तस्वीर नहीं दिखाई दी, जिसको आधार बनाकर शिकायत दर्ज कराई गई है। बता दें कि पिछले महीने चेंबूर पुलिस स्टेशन में रणवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। शिकायत में दावा किया गया है कि अभिनेता ने अपनी न्यूड तस्वीरों से महिलाओं की भावनाओं को आहत किया है समाज में अश्लीलता को बढ़ावा दिया है।

मीडिया से फिर भिड़ीं तापसी पन्नू, कहा- चिल्लाओ मत भाई

तापसी पन्नू अक्सर अपने बयानों के लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस फिल्मफेयर अवार्ड्स 2022 में पहुचीं, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में तापसी मीडिया पर भड़कती हुई नजर आईं। दरअसल, मीडिया से बात करते हुए किसी ने उनकी फिल्म दोबारा को लेकर सवाल किया और कहा कि उनकी फिल्म को क्रिटिक्स से नेगेटिव कमेंट्स मिले थे। साथ ही एक्ट्रेस से बायकॉट को लेकर भी सवाल किया गया। इसी दौरान एक्ट्रेस बहुत भड़क गईं। तापसी कहती हैं चिल्लाओं मत भाई फिर ये लोग बोलेंगे कि एक्टर्स को तमीज नहीं है। इसके बाद एक रिपोर्टर ने तापसी से उनकी फिल्म दोबारा को मिले नेगेटिव कैम्पेन के बारे में पूछा तो एक्ट्रेस ने कहा कि किस फिल्म को लेकर ऐसा नहीं हुआ है? जब रिपोर्टर फिर सवाल करता है तो तापसी ने कहा सर सर आप होम वर्क करके आइए मुझसे सवाल पूछने से पहले, सर तो हूं नहीं मैं, पहले जेंडर ठीक कीजिए उसके बाद बात करिए ठीक है। दरअसल इवेंट के दौरान एक मीडिया पर्सन ने उन्हें सर कहकर बुलाया तो एक्ट्रेस को अच्छा नहीं लगा और गलत जेंडर बुलाने पर मीडिया वाले पर नाराज हो गईं।

इस गांव में की जाती है जहरीले सांपों की खेती मिल जाएंगे 30 हजार किस्म के जहरीले सांप

आपने लोगों को अनाज, फल, सब्जी और कई अन्य तरह की खेती करते देखा और सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी जहरीले सांपों की खेती देखी है। सुनने में यह थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन यह सच है। चीन में एक ऐसा गांव है, जहां जहरीले सांपों की खेती की जाती है। इस गांव का नाम जिसिकियाओ है। यहां 30 लाख से ज्यादा जहरीले सांपों की वैरायटी पाई जाती है। करीब एक हजार की आबादी वाले इस गांव में लगभग हर दूसरा शख्स इस काम से जुड़ा हुआ है।

बताया जाता है कि पहले इस गांव के लोग चाय, जूट एवं कपास के साथ मछली-पालन आदि का व्यवसाय किया करते थे। अब यहां के लोगों ने जहरीले सांपों की खेती करना शुरू कर दिया है। इससे ये लोग अच्छा खासा पैसा कमाते हैं। यहां आपको हर किस्म के खतरनाक एवं जहरीले सांप मिल जाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार यहां किंग कोबरा, अजगर से लेकर करीब तीस हजार से ज्यादा किस्मों के जहरीले सांपों का कारोबार किया जाता है। गांव का हर दूसरा शख्स इस कारोबार से जुड़ा हुआ है। इस गांव के लोगों की दोस्ती किंग कोबरा और वाइपर जैसे खतरनाक सांपों से है। सांपों की खेती के लिए यह गांव पूरी दुनिया में फेमस है। इस खेती को स्नेक फार्मिंग के नाम से जाना जाता है। जिसिकियाओ गांव में सांपों की अलग-अलग प्रजातियों कि ब्रीडिंग भी कराई जाती है। इस फार्मिंग में किंग कोबरा, अजगर और जहरीले वाइपर समेत कई जहरीले सांप पाले जाते हैं। यहां के लोग सांपों को पालने के बाद उनके अंग बाजार में बेचकर बढ़िया मुनाफा कमाते हैं। बता दें कि चीन में सांप के मांस की काफी डिमांड है। इसलिए इस गांव में सांपों की खेती की जाती है। गांव के लोग सांप का जहर बेचकर भी अच्छा पैसा कमाते हैं। यहां सांपों का बूचड़ खाना भी है, जहां सांपों को काटकर उनके अंग बेच दिए जाते हैं। वैसे तो गांव वालों के लिए ये जहरीले सांप बेहद आम है। मगर उन्हें 'फाइव स्टेप' नाम के सांप से डर लगता है। ऐसा माना जाता है कि जब यह सांप किसी को डसता है, तो पांच कदम चलते ही उस शख्स की मौत हो जाती है।

अजब-गजब | इस गांव की खूबसूरती देखकर रह जाएंगे दंग

जमीन के नीचे बसा है ये खूबसूरत गांव किसी महल से कम नहीं हैं यहां के घर

आमतौर पर जब भी किसी गांव का नाम लिया जाता है तो हमारी आंखों के सामने टूटे-फूटे मकान और कच्ची पक्की गलियों की तस्वीरें घूमने लगती हैं। जहां धूल मिट्टी में सने बच्चे और जानवर नजर आते होंगे लेकिन हर गांव ऐसा नहीं होता। किसी किसी गांव में ऐसे घर भी होते हैं जो किसी महल से कम नहीं होते। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जो सच में बेहद खूबसूरत है। यही नहीं इस गांव की एक और खास बात है वो यह कि ये जमीन के नीचे बसा हुआ है। ये गांव ऑस्ट्रेलिया में है जिसका नाम कूबर पेडी है। ऑस्ट्रेलिया का कूबर पेड़ी गांव जमीन के नीचे बना हुआ है। ये गांव बेहद खूबसूरत है यहां के घर किसी महल से कम नहीं है। बता दें कि 'दक्षिण ऑस्ट्रेलिया' में स्थित इस 'कूबर पेडी' नाम के इस गांव को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' भी कहा जाता है। क्योंकि यहां विश्व की सबसे ज्यादा खदानें हैं जिनकी संख्या लगभग ढाई लाख होगी।

बता दें कि साल 1915 में यहां 'ओपल' नाम के एक कीमती पत्थर को खोजने के लिये खदानें बनाने का काम शुरू किया गया था। इस जगह के रेतीले होने की वजह से यहां गर्मियों में तापमान बहुत ज्यादा और सर्दियों में बहुत कम हो जाता है। जिसकी वजह से यहां काम करने वाले लोगों को रहने में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। उस समय लोगों ने यहां रहने के लिये एक तरकीब अपनाई। वो यह थी कि लोगों ने यहां काम होने के बाद, बनी हुई खदानों में रहना शुरू कर दिया। तब से अब तक लोगों ने इसे अपना घर ही बना लिया है। अब यहां करीब साढ़े तीन हजार से भी ज्यादा लोग रहते हैं। बता दें कि कूबर पेडी गांव के इन घरों को देखकर ऐसा लगता है, मानो जैसे किसी होटल में आकर रह रहे हो। यहां के घरों में तीन बैडरूम, लिविंग रूम और किचन भी बनाये हुए है। गांव में स्थित एक अंडरग्राउंड चर्च भी मौजूद है। इस गांव में आपको बीयर बार समेत सैकड़ों दुकानें देखने को मिल जाएंगी। जिनमें 'ज्वेलरी की दुकानें भी शामिल हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि चारों तरफ से रेगिस्तान से घिरे हुए होने के बावजूद इन घरों के तापमान हमेशा सामान्य ही रहता है। गर्मियों में ज्यादा से ज्यादा तापमान 27 डिग्री और सर्दियों में कम से कम 14 डिग्री तक ही सीमित रहता है। यहां बारिश के मौसम में साल 1921 से साल करीब करीब 18 से 20 मिलीमीटर तक आंकी जाती रही है। मगर 10 अप्रैल 2014 को एक ही दिन में 115 मिलीमीटर की बारिश से यहां की खदानों में पानी भर गया था। इतना ही नहीं, रेगिस्तानी जगह का भी भरपूर फायदा उठाते हुए लोग यहां 'गोल्फ' भी खेलने आते हैं और वो भी रात में, क्योंकि दिन में यहां बाहर गर्मी बहुत ज्यादा होती है। इसीलिए गोल्फ रात में एक चमकती हुई बॉल के साथ खेला जाता है। गोल्फ खेलने के लिये यहां 'द रॉयल एंड अन्सिएंट गोल्फ क्लब ऑफ अंद्रेल्स' नामक 'क्लब' भी स्थापित किया गया है।

प्रदेश में अराजकता का बोलबाला, गरीबों पर पुलिस कर रही अत्याचार: अखिलेश

» आपराधिक घटनाओं की आ गयी बाढ़, अपराधी हैं बेखौफ

» भाजपा सरकार में बहन-बेटियां नहीं हैं सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में दलित-वंचित वर्ग की बहन-बेटियों और गरीब पर पुलिस अत्याचार थम नहीं रहा है। भाजपा सरकार में महिलाओं और बेटियों के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटनाओं की बाढ़ आ गई है। पुलिस निर्दोषों को झूठे मामलों में फंसाकर पीट-पीटकर हत्या कर रही है जबकि आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले बेखौफ हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश की पुलिस भ्रष्ट और संवेदनहीन हो गई है। निघासन पुलिस थाना क्षेत्र में दो दलित बहनों की हत्या और उसके बाद पुलिस पर पिता का ये आरोप बेहद गंभीर है कि बिना पंचनामा और सहमति के उनका पोस्टमार्टम किया गया। अलीगढ़ में अनुसूचित जाति की बच्ची से दुष्कर्म अत्यन्त विचलित करने वाली घटना है, भाजपा सरकार में एक और हिरासत में मौत हुई।

गोंडा के नवाबगंज थाने पुलिस ने देवनारायण यादव नाम के युवक की हिरासत के दौरान पीट-पीटकर हत्या कर दी। आखिर और कितने निर्दोषों की इस तरह हत्या करेंगी भाजपा सरकार की पुलिस। भाजपा राज में जातीय उत्पीड़न से पलायन को दलित परिवार मजबूर हो रहा है। भाजपा सरकार में निर्दोषों की जिंदगी पूरी तरह असुरक्षित है और अपराधी बेखौफ हैं। जनता इन हालातों से त्रस्त है। भाजपा का यह दावा नितांत खोखला है कि उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त हो गया है। वास्तविकता यह है कि भाजपा राज में उत्तर प्रदेश में अराजकता का बोलबाला है।

सपा का राष्ट्रीय सम्मेलन 29 को

समाजवादी पार्टी का राज्य सम्मेलन 28 तथा राष्ट्रीय सम्मेलन 29 सितम्बर को राजधानी लखनऊ में होगा। देश-प्रदेश की राजनीतिक-आर्थिक स्थिति पर प्रस्ताव पारित करने के अतिरिक्त सम्मेलन में समाजवादी पार्टी की अपनी भूमिका की दिशा भी सुनिश्चित होगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जिस तरह से भाजपा ने राजनीतिक एवं आर्थिक संकट पैदा किया है और लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया है उससे निपटने के लिए इन सम्मेलनों में पार्टी की कारगर भूमिका के बारे में चर्चा होगी।

आप का राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन 18 को

» सीएम अरविंद केजरीवाल करेंगे अध्यक्षता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी घोटाले, आपरेशन लोटस और गुजरात विधान सभा चुनाव की सगर्मियों के बीच आम आदमी पार्टी का राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन आगामी रविवार को होगा।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली में होने जा रहे इस सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में पंजाब के सीएम भगवंत मान समेत देश भर में चुने गए सभी विधायक और राज्य सभा सदस्य शामिल होंगे। इसके अलावा पार्षद, जिला पंचायत सदस्य, चेयरमैन, मेयर, ब्लाक प्रमुख, सरपंच और प्रधान भी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में केजरीवाल देश भर में चलाए जा रहे भाजपा के आपरेशन लोटस और पार्टी संगठन की मजबूती पर जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तार से चर्चा करेंगे।

कैप्टन अमरिंदर सिंह थाम सकते भाजपा का दामन

» परिवार समेत आधा दर्जन पूर्व विधायक भी हो सकते शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस बनाने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अब भाजपा के साथ जाने की तैयारी कर ली है। वह 19 सितंबर को दिल्ली में भाजपा का दामन थाम सकते हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा उन्हें भाजपा की सदस्यता दिला सकते हैं। इस मौके पर कैप्टन अमरिंदर सिंह की बेटी जय इंदर कौर, बेटा रणइंदर और नाती निर्वाण सिंह भी भाजपा में एंट्री ले सकते हैं। हालांकि उनकी पत्नी परनीत कौर अब भी कांग्रेस की सांसद हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इसी सप्ताह की शुरुआत में दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इसके बाद से अटकलें लग रही थीं कि कैप्टन अब भाजपा में जा सकते हैं। पंजाब विधान सभा चुनाव में उनकी पार्टी ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था लेकिन एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। खुद कैप्टन को हार झेलनी पड़ी थी। कैप्टन की बेटी जय इंदर कौर ने ही पिछले दिनों बताया था कि पंजाब लोक कांग्रेस के भाजपा में विलय को लेकर बात चल रही है। पंजाब के पूर्व सीएम के साथ राज्य के करीब आधा दर्जन विधायक भी भाजपा में आ सकते हैं। सुनील जाखड़ भी भाजपा में हैं। इस तरह पंजाब में भले ही भाजपा तीन विधायकों की ही पार्टी है लेकिन उसने कई वरिष्ठ नेताओं को अपने पाले में लाकर अपनी उपस्थिति जरूर मजबूत की है।

इच्छामृत्यु मांगने वाले युवक को ओम बिरला ने किया फोन

» लोक सभा अध्यक्ष ने मदद का दिया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। एम्स में ऑपरेशन के लिए तारीख न मिलने पर राष्ट्रपति से इच्छामृत्यु की मांग करने वाले गाजियाबाद के पिंटू को अब उम्मीद की किरण दिखाई दी है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पिंटू को फोन करके हरसंभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया है।

कस्बा निवाड़ी में वार्ड नंबर छह स्थित मोबाइल टावर परिसर में बने कमरे में चारपाई पर लेटे पिंटू का मोबाइल बुधवार पूर्वाह्न 1140 बजे बज उठा। जैसे ही पिंटू ने हैलो बोला, दूसरी ओर से आवाज आई कि लोक सभा स्पीकर ओम बिरला बात करेंगे। फिर ओम बिरला ने पहले पिंटू का हालचाल जाना। पिंटू ने बताया कि 10 साल में पहली बार किसी ऐसे व्यक्ति का फोन आया, जिससे उम्मीद जग रही है, अब इलाज हो जाएगा।

हेमंत सरकार को राज्यपाल का झटका, राजभवन ने लौटाया विधेयक

» गिनाईं त्रुटियां, दोबारा विधान सभा से पास कराकर भेजना होगा बिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। राज्यपाल रमेश बैस ने हेमंत सरकार के एक और विधेयक पर अपनी स्वीकृति नहीं दी है। राजभवन ने गुरुवार को दो त्रुटियों को आधार बनाते हुए झारखंड कराधान अधिनियमों की बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2022 वापस कर दिया। कहा गया कि विधेयक के अंग्रेजी और हिन्दी के प्रारुपों में अंतर है। साथ ही त्रुटियों में सुधार करते हुए दोबारा विधेयक भेजने को कहा गया है।

राजभवन ने झारखंड कराधान अधिनियमों की बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2022 में त्रुटियां इंगित करते हुए कहा है कि इसके अध्याय दो के कालम तीन में एक सारणी है जिसमें मामलों के तीसरे प्रकार में जहां विधेयक के अंग्रेजी प्रारुप में एक और बी खंड है वहीं हिन्दी में क्रमश: क और ख की जगह एक और दो कर दिया गया है। साथ ही इसी कालम में जहां विधेयक अंग्रेजी प्रारुप में करों के अधित्याग का प्रतिशत 50 दर्शाया गया है, वहीं अंग्रेजी प्रारुप में यह 60 प्रतिशत है। अब राज्य सरकार को न केवल उसमें सुधार करना होगा बल्कि विधान सभा से दोबारा पारित कराकर भेजना होगा। यह विधेयक विधान सभा के इसी मानसून सत्र में पारित हुआ था। राजभवन इससे पूर्व भी इसी तरह की त्रुटियों के आधार पर चार-पांच विधेयक राज्य सरकार को वापस लौटा चुका है। इनमें माब लिंचिंग निवारण विधेयक तथा पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय विधेयक भी शामिल हैं।

एनडीए बनाम यूपीए होगा लोक सभा चुनाव!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 के चुनावी अखाड़े में सीटों का गुणा-भाग तुरुप का पत्ता साबित हो सकता है क्योंकि अब लड़ाई की दिशा मोदी बनाम अन्य नहीं बल्कि यूपीए बनाम एनडीए होने जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि एनडीए बनाम यूपीए कौन कितना भारी रहेगा 2024 में? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, राजेश बादल, दिनेश के वोहरा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

दिनेश के वोहरा ने कहा कि लोकतंत्र ने लोगों को राजा बनाया तो वहीं लोकतंत्र ने लोगों को रंक बनाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी और उनको अपनी हैसियत समय-समय पर बताई है। अभी 24 दूर है। राजनीति में सात दिन भी लंबा पीरियड होता है।

भाजपा की बात करें तो वह ऐसा कोई मुद्दा ले आती है कि सारे मुद्दे बौने हो जाते हैं। भाजपा की फैक्ट्री में मुद्दे खोजे जाते है, नहीं मिलते तो पैदा किए जाते हैं। बीजेपी यही करती है, जिसका लोगों के पास जवाब नहीं होता।

राजेश बादल ने बनारस पर एक शेर अर्ज करते हुए बताया कि किस तरह जनता आजिज आ चुकी है। बीजेपी को इस बात का हुनर हासिल है जब उसकी झोली खाली हो, कोई मुद्दा न हो, उपलब्धियां न हो, जिसमें ढाई साल तो कोरोना के निकल गए तो वो दस वर्षों का कार्यकाल आठ वर्षों में समेट सकते हैं। वो टीशर्ट का भी मुद्दा बना सकते हैं। जनता का ध्यान नहीं, बस सत्ता हासिल करना ही मकसद है। जनता पार्टी जब टूटी तो लगा नहीं, ये कैसे हो गया। जब लोग तय कर लेंगे कि हमें ये नहीं चाहिए तो सब बदल जाता है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अशोक वानखेड़े ने कहा कि ब्रांड मोदी आज भी है। इंदिरा भी होती थी कभी। उन्होंने इमरजेंसी लगा दी कि मैं ही सब कुछ हूं। तो वहीं हाल वर्तमान में है। देश इमरजेंसी की ओर जा रहा है। हालात भी वैसे ही हैं। घोषित आपातकाल लागू है। आप कुछ बोलोगे तो कार्रवाई होगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा रास नहीं आ रही बीजेपी को। आज संचार के माध्यम में पहले कभी नहीं थे। आज इसका फायदा बीजेपी उठा रही है। हर जगह उधार का सिंदूर है। सत्ता तोड़कर आते हो तो ये आपका सक्सेज नहीं।

राजकीय निर्माण निगम में भ्रष्टाचार की नई कहानी

महाप्रबंधक मणिकांत अग्रवाल के भ्रष्टाचार की जांच करेगा ईडी!

» कानपुर इकाई के प्रभारी रहे डीसी पंत के तीन पन्नों के शिकायती पत्र से मचा हुआ है हड़कंप

» पीएमओ, मुख्यमंत्री कार्यालय व प्रबंध निदेशक निर्माण निगम को भी भेजी गयी थी प्रतिलिपि, जांच की मांग की गयी थी

» इटावा जोन के इकाई प्रभारियों से अवैध वसूली, चहेते ठेकेदारों को टेंडर देने का दबाव, फर्जी भुगतान का है आरोप

चेतन गुप्ता

लखनऊ। 2019 में 50 करोड़ के काम की बंदिश के आदेश के बाद से राजकीय निर्माण निगम अपने बुरे दौर से गुजर रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार के मामले खत्म होने का नाम नहीं ले रहे है। निर्माण निगम में जो भी इंजीनियर डेपुटेशन पर आता है वो मलाई काटने आता है। ताजा मामले में इटावा जोन के महाप्रबंधक रहे (अब आगरा जोन के) मणिकांत अग्रवाल पर उनके ही इकाई प्रभारी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगा प्रवर्तन निदेशालय में शिकायत की है। निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक, मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर पीएमओ तक शिकायत की गई है। तीन पन्नों के शिकायती पत्र ने निर्माण निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार की परत दर परत खोली है कि किस तरह उच्च पदों पर बैठे अफसर अपने से नीचे पदों वाले अफसरों से उगाही कर रहे है। इस भ्रष्ट व्यवस्था के चलते ही निर्माण कार्यों में लूट-खसोट का सिलसिला जारी है।

कानपुर इकाई के तत्कालीन प्रभारी डीसी पंत ने 12 जुलाई को ईडी के निदेशक को शिकायती पत्र लिखकर आरोप लगाया कि महाप्रबंधक इटावा जोन एमके अग्रवाल उनके साथ ही अन्य इकाई प्रभारियों से बार-बार अवैध रूप से धन मांग रहे है, जिसके कारण सभी इकाई प्रभारी खासे परेशान है। विरोध जताने पर सस्पेंड करने की धमकी दी जाती है। इसके अलावा अग्रवाल अपने चहेते ठेकेदारों से लंबी-चौड़ी घूस की रकम लेकर नए कामों को बिना टेंडर देने का दबाव बनाते है। निर्माण कार्य मिलने के बाद गुणवत्ताहीन काम होने पर इकाई प्रभारियों पर जिम्मेदारी का सारा ठीकरा फोड़ दिया जाता है। महाप्रबंधक से साठगांठ होने के चलते ठेकेदार भी फर्जी भुगतान का दबाव बनाते है। ऐसी परिस्थितियों में काम करना मुश्किल हो रहा है। किसी परियोजना में इकाई को कोई परेशानी होती है तो भी महाप्रबंधक स्तर से जरा भी सहायता नहीं मिलती। मार्गदर्शन मांगने पर उलटा इकाई प्रभारी के विरुद्ध अनावश्यक पत्राचार कर प्रताड़ित किया जाता है। पंत ने ये भी आरोप लगाया कि अग्रवाल दावा करते है कि पीडब्ल्यूडी से निर्माण निगम में प्रतिनियुक्ति पर धन उगाही के लिए ही भेजे गए हैं और एक-दो साल में वापस अपने विभाग चले जाएंगे। निर्माण निगम के पास उनके खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार तक नहीं हैं लेकिन उनके पास इकाई प्रभारी को सस्पेंड करने व कार्रवाई का अधिकार है। इकाई प्रभारी महाप्रबंधक की धमकियों से इतना परेशान है कि उन सभी के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। निराशा के चलते कभी भी आत्महत्या जैसी अप्रिय घटना घट सकती है। पत्र में अपनी बेचारगी जताते हुए पंत ने कहा कि अपने वेतन से कोई भी इकाई प्रभारी महाप्रबंधक को घूस नहीं दे पाएगा। अहम बात तो यह है कि भ्रष्टाचार की वजह से यदि कोई फर्जी काम होता है तो फंसेगा इकाई प्रभारी ही। ऐसे में कोई भी अपनी गर्दन फंसाना नहीं चाहता। बेहद विषम परिस्थितियों का हवाला देते हुए तत्कालीन इकाई प्रभारी डीसी पंत ने ईडी से अग्रवाल के खिलाफ जांच बैठाने का निवेदन किया है।

4PM एक्सक्लूसिव

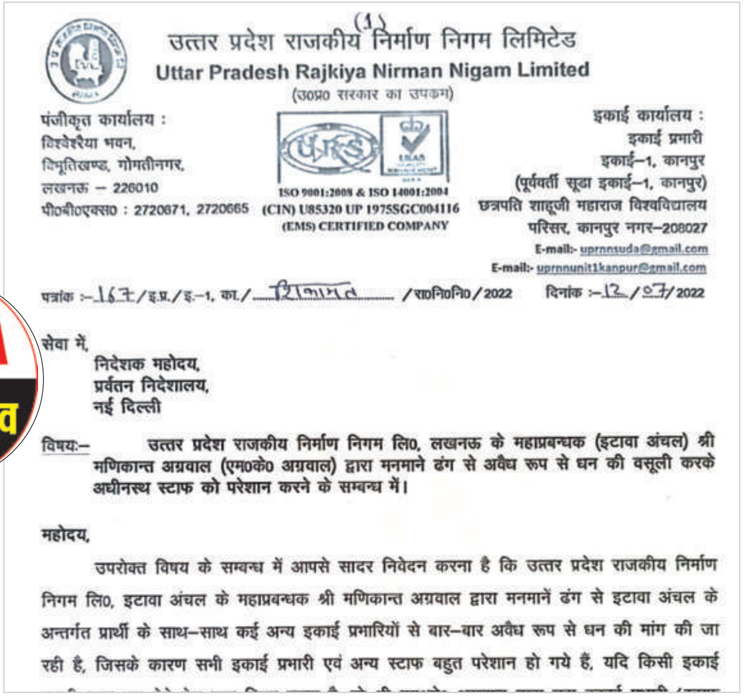

(1)
उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड
Uttar Pradesh Rajkiya Nirman Nigam Limited
(उ0प्र0 सरकार का उपक्रम)

पंजीकृत कार्यालय :
विश्वेश्वरैया भवन,
विभूतिखण्ड, गोमतीनगर,
लखनऊ – 226010
पी0बी0एक्स0 : 2720671, 2720665

ISO 9001:2008 & ISO 14001:2004
(CIN) U85320 UP 1975SGC004116
(EMS) CERTIFIED COMPANY

इकाई कार्यालय :
इकाई प्रभारी
इकाई–1, कानपुर
(पूर्ववर्ती सूडा इकाई–1, कानपुर)
छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय
परिसर, कानपुर नगर–208027
E-mail:- uprnnsuda@gmail.com
E-mail:- uprnnunit1kanpur@gmail.com

पत्रांक :– 167/इ.प्र./इ.–1, का./ शिकायत /रा0नि0नि0/2022 दिनांक :– 12/07/2022

सेवा में,
निदेशक महोदय,
प्रर्वतन निदेशालय,
नई दिल्ली

विषय:– उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0, लखनऊ के महाप्रबन्धक (इटावा अंचल) श्री मणिकान्त अग्रवाल (एम0के0 अग्रवाल) द्वारा मनमाने ढंग से अवैध रूप से धन की वसूली करके अधीनस्थ स्टाफ को परेशान करने के सम्बन्ध में।

महोदय,
उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में आपसे सादर निवेदन करना है कि उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0, इटावा अंचल के महाप्रबन्धक श्री मणिकान्त अग्रवाल द्वारा मनमानें ढंग से इटावा अंचल के अन्तर्गत प्रार्थी के साथ–साथ कई अन्य इकाई प्रभारियों से बार–बार अवैध रूप से धन की मांग की जा रही है, जिसके कारण सभी इकाई प्रभारी एवं अन्य स्टाफ बहुत परेशान हो गये हैं, यदि किसी इकाई

"महाप्रबंधक द्वारा लगातार अवैध वसूली के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था जिसके चलते मैं खुद कानपुर इकाई से हटना चाहता था। ट्रांसफर का आदेश मिलते ही 22 अगस्त को मनीष चंद्रा को चार्ज सौंप कर मैं मुख्यालय से संबद्ध हो गया हूं। मेरे शिकायती पत्र पर लोक निर्माण विभाग से जीएम के खिलाफ जांच बैठ गई है।

–डीसी पंत, शिकायतकर्ता, पूर्व कानपुर इकाई प्रभारी

हर सरकार में पॉवरफुल रहे अग्रवाल

जीएम मणिकांत अग्रवाल पर भ्रष्टाचार के पहले भी आरोप लगते रहे है। अखिल भारतीय भ्रष्टाचार विरोधी एवं समाज पुनर्निर्माण समिति ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जीएम पर पूरे कार्यकाल के दौरान जमकर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। कहा कि भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते इटावा जोन में सैफई में 500 बेड का सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और 300 बेड का महिला अस्पताल का निर्माण अधर में लटका है। अग्रवाल पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार में तत्कालीन प्रबंध निदेशक आरके गोयल के काफी करीबी माने जाते थे। एक और प्रबंध निदेशक रह चुके सत्यप्रकाश सिंहल का इनको रिश्तेदार बताया जाता है। इसीलिए शिकायतों के बावजूद भी आज तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूरी नौकरी इटावा व सटे आगरा जोन में गुजार देने वाले एमके अग्रवाल के पूरे कार्यकाल की जांच कराकर उचित कार्रवाई की समिति ने मांग की है।

"सभी आरोप बेबुनियाद है। डीसी पंत खुद बहुत बड़े भ्रष्टाचारी है, इनके खिलाफ तमाम शिकायतें है। इनके कार्यकाल में तमाम फर्जीवाड़े हुए। प्रोजेक्ट मैनेजर से लेकर जेई-एई का प्रभार भी कई बार खुद के हाथों में लेकर भ्रष्टाचार किया है, जिसकी जांचे चल रही है। अपने को बचाने के लिए फर्जी शिकायत की गई है।

मणिकांत अग्रवाल, महाप्रबंधक, आगरा जोन

"डीसी पंत के खिलाफ तमाम शिकायतें हैं। कन्नौज मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और कानपुर एचबीटीयू के कुलपति का शिकायती पत्र मिला था, जिसको देखते हुए उनको कानपुर इकाई से हटा कर मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। उनके खिलाफ जांच पहले से लंबित है। महाप्रबंधक पर लगाए गए आरोप का पत्र मिला है, उस पर शिकायतकर्ता से साक्ष्य मांगे गए हैं और तत्पश्चात इसकी जांच की जाएगी। फिलहाल उनका ट्रैक रिकॉर्ड साफ है।

–संजय तिवारी, प्रबंध निदेशक, राजकीय निर्माण निगम

बिजली उपकेंद्र के बाहर गंदगी देख भड़के मंत्री, कहा इसे सुधारो

» ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर ने कई विद्युत उपकेंद्रों का किया निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर प्रयागराज में हैं। उन्होंने कई विद्युत उपकेंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान शहर के तेलियरगंज उपखंड के बाहर गंदगी देख अधिकारियों को फटकार लगाई।

गंदगी देख भड़क गए कहा, इसे तुरंत सुधारो। इसके बाद मंत्री गोविंदपुर उपकेंद्र पहुंचे। वहां जला हुआ ट्रांसफार्मर बदला गया या नहीं, इसकी जानकारी ली। म्योहाल उपकेंद्र का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का जल्द निवारण करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि यूपी के ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर के आगमन के दौरान ही विद्युत समाधान सप्ताह शिविर का भी आयोजन शुक्रवार को किया गया है। तेलियरगंज, गोविंदपुर और म्योहाल विद्युत उपकेंद्रों के निरीक्षण के दौरान मंत्री ने समाधान सप्ताह शिविर में मौजूद उपभोक्ताओं से बातचीत की और उनकी समस्याओं को भी जाना। इस दौरान उन्होंने कुछ शिकायतकर्ताओं से फोन पर बातचीत की तो बताया गया कि मीटर संबंधित शिकायत उन्होंने की थी जिसका निस्तारण हो गया है। ऊर्जा राज्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया जाए।

केशव मौर्य से मिलने पहुंचे दिव्यांग को पुलिस ने घसीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुल्तानपुर में गुरुवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से मिलने एक दिव्यांग पहुंचा। पुलिस ने उसे मिलने से रोक दिया। जब वह नहीं माना, तो पुलिस ने उसे टांग कर दूर किया। इसका वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है एक दिव्यांग हाथ में तिरंगा लेकर बैठा है। पुलिस उसे जाने के लिए कहा रही है, लेकिन वह डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से मिलने की जिद पर अड़ा रहा। जब वह नहीं माना, पुलिस से उसे टांगकर हटाया। शहर से कुछ दूरी पर कटावां गांव है। यह कोतवाली नगर थाना क्षेत्र में आता है। गांव का ही जयसराज दोनों पैरों से दिव्यांग है। उसने बताया कि हमें ट्राई साइकिल और दूसरी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। इसकी कई बार शिकायत भी कर चुका है, जिसे अनसुना कर दिया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।